Delhi Public School, Damanjodi

Syllabus Hindi-10 (2nd Language)(कोड सं. 085) **Session: 2024-2025**

No.	Examinations:		Pre-mid Term	Mid Term	Post-mid Term	Annual
	खंड - क (अपठित बोध) (7+7=14 अंक)					
1	दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के) - (3+4) + (3+4) =14 एक अंक के तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न (2x2=4)	14 अंक		√		√
	खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण) (1x16=16 अंक)					
2	अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न, कुल 20 प्रश्नों में से 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।					
	i) पदबंध (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न)	**16 अंक**	√	√		√
	ii) रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न)		√	√		√
	iii) समास (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न)			√	√	√
	iv) मुहावरे (4 अंक) (5 में से 4 प्रश्न)			√	√	√
	खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) (11+11+6=28 अंक)					
3	**अ.** स्पर्श (भाग-2) के पठित गद्यांश के आधार पर 1 अंकीय 5 बहुविकल्पीय प्रश्न। - (1x5=5) निर्धारित गद्य पाठों में से 3 प्रश्न (25-30 शब्द सीमा) (4 में से 3 प्रश्न करने होंगे)। - (2x3=6)					
	1. प्रेमचंद - बड़े भाई साहब	**11 अंक**	√	√		√
	2. सीताराम सेकसरिया - डायरी का एक पन्ना		√	√		√
	3. लीलाधर मंडलोई - तताँरा-वामीरो कथा			√		√
	4. प्रहलाद अग्रवाल - तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र			√	√	√
	5. निदा फ़ाज़ली - अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले				√	√
	6. रवींद्र केलेकर - पतझड़ में टूटी पत्तियाँ - 1. गिन्नी का सोना, 2 झेन की देन					√
	7. हबीब तनवीर - कारतूस					√
	ब. स्पर्श (भाग-2) के पठित पद्यांश के आधार पर 1 अंकीय 5 बहुविकल्पीय प्रश्न। - (1x5=5) निर्धारित पद्य पाठों में से 3 प्रश्न (25-30 शब्द सीमा) (4 में से 3 प्रश्न करने होंगे)।- (2x3=6)					
	1. कबीर - साखी	**11 अंक**	√	√		√
	2. मीरा - पद		√	√		√
	3. मैथिलीशरण गुप्त - मनुष्यता			√		√
	4. सुमित्रानंदन पंत - पर्वत प्रदेश में पावस			√	√	√
	5. वीरेन डंगवाल - तोप				√	√
	6. कैफ़ी आज़मी - कर चले हम फ़िदा					√
	7. रवींद्रनाथ ठाकुर - आत्मत्राण					√
	स. संचयन (भाग-2) से निर्धारित पाठों पर आधारित 2 प्रश्न पूछे जाएँगे (50-60 शब्द सीमा)। (3 में से 2 प्रश्न करने होंगे)(3x2=6)					
	1. मिथिलेश्वर - हरिहर काका	6 अंक		√		√
	2. गुरदयाल सिंह - सपनों के से दिन			√		√
	3. डॉ. राही मासूम राजा - टोपी शुक्ला					√
	खंड - घ (रचनात्मक लेखन) (5+5+4+3+5=22 अंक)					
4	लेखन					
	क) संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन (5x1=5)	**22 अंक**	√	√		√
	ख) अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक विषयों में लगभग 100 शब्दों में किसी एक विषय पर पत्र। (5x1=5)		√	√	√	√
	ग) व्यावहारिक जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन (विकल्प सहित) (4x1=4)			√		√
	घ) विषय से संबंधित लगभग 40 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन (विकल्प सहित) (3x1=3)			√		√
	ङ) विविध विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लेखन अथवा दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन। (5x1=5)			√	√	√
5	**आंतरिक मूल्यांकन (20 अंक)** सामयिक आकलन, बहुविध आकलन, पोर्टफोलियो, श्रवण एवं वाचन	**20 अंक**	√	√	√	√

LEARNING OUTCOMES **(अधिगम प्रतिफल)**

सामान्य प्रतिफल -

1. पाठों के अध्ययन से विद्यार्थियों के पठन/वाचन कौशल का विकास होगा।
2. पाठों के अभ्यास कार्यों से लेखन कौशल का विकास होगा।
3. विषयों की चर्चा-परिचर्चा से बोलने तथा सुनने के कौशल का विकास होगा।
4. विचारों और अनुभवों की अभिव्यक्ति के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
5. विद्यार्थी विभिन्न पाठों के रचनाकारों से परिचित होंगे।

1. **बड़े भाई साहब -** केवल पढ़ाई के माध्यम से सफल नहीं हुआ जा सकता है, जीवन में खेलों का भी महत्त्व है| अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए बड़े भाई साहब की तरह कर्तव्य निभाएँ और छोटों का मार्ग प्रशस्त करें| हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए तथा अपने बड़ों का कहना मानना चाहिए| जीवन में सफल होने के लिए केवल किताबी ज्ञान महत्त्वपूर्ण नहीं होता, पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी महत्त्वपूर्ण है|- विद्यार्थी ये सब सीखेंगे।

2. डायरी का एक पन्ना - छात्रों को अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करने की प्रेरणा मिलेगी| संदेश मिलेगा कि संगठित होकर काम करने से कोई भी काम असाध्य नहीं है |स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में पढ़कर छात्रों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा मिलेगी|

3. तताँरा-वामीरो कथा - कहानी विधा से परिचित होंगे। नैतिक मूल्यों की प्रगति होगी। व्यक्तिगत व सामाजिक उत्तरदायित्व निर्वहन करने की क्षमता का विकास होगा।

4. तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र - तीसरी कसम फिल्म तथा शैलेंद्र के व्यक्तित्व से परिचित।

5. अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले - छात्रों में मानवीय गुणों का तथा परस्पर सहयोग की भावना का विकास होगा। प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे।प्रत्येक धर्म द्वारा बताए गए संदेशों को समझकर व्यावहारिक जीवन में उनका प्रयोग करेंगे।

6. पतझड़ में टूटी पत्तियाँ - नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्व का विकास। जापान की टी-सेरमनि से परिचित।

7. कारतूस - देश के लिए समर्पण भाव का विकास। वजीर अली और रॉबिनहुड से परिचय।

8. साखी - प्राचीन काव्य साहित्य से परिचित होंगे। संतों की वाणी को आत्मसात करेंगे। शाश्वत जीवन-मूल्यों तथा निर्गुण ब्रह्म से परिचित।

9. पद - प्राचीन काव्य साहित्य से परिचित होंगे। संतों की वाणी को आत्मसात करेंगे। कृष्ण-भक्ति धारा से परिचित।

10. मनुष्यता - छात्र मानवतावादी दृष्टिकोण, भक्ति भावना, त्यागमय प्रेम, देश-प्रेम की भावना, सौंदर्य-निरूपण, नारी भावना, लोकमंगल की भावना, मानवीय जीवन मूल्यों के विकास के साथ-साथ भविष्य के लिए सचेत हो सकेंगे|

11. पर्वत प्रदेश में पावस - पर्यावरण में आए सकारात्मक व नकारात्मक बदलाव से परिचित।

12. तोप - प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से परिचित। प्रतीक और धरोहर से मिल रही सीख से परिचित।

13. कर चले हम फ़िदा - देश-प्रेम भाव जगाना, भारत-चीन के युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म हकीकत के गाने से परिचित।

14. आत्मत्राण - रवींद्रनाथ ठाकुर, राष्ट्रगान, नोबेल पुरस्कार से परिचित। अध्यात्म से प्रेरित। प्रार्थना के तात्पर्य से अवगत होंगे।

15. सपनों के-से दिन - गाँव का जीवन, गाँववालों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण, गाँव के बच्चों के रंग-ढंग आदि का जीता-जागता चित्रण। शारीरिक दंड बच्चों के विकास में बाधक। बच्चों के विकास में शिक्षा के साथ खेल का उचित समन्वय होना ज़रूरी है।

16. टोपी शुक्ला - छात्र हर धर्म का आदर करेंगे। सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखेंगे। बाल-सुलभ मन केवल स्नेह-भाव को समझता है, न कि धर्म की दीवार को।

17. हरिहर काका - पारिवारिक संबंधों में भ्रातृभाव की जगह फैल रही स्वार्थ-लिप्सा, धर्म की आड़ में फैल रही हिंसा को बेनकाब करना।